लोका देवाश्व सर्वदा ९,३१६. नन्धेष स्थास्पति चिरं गत एव नराधम: мвн. 5,472. यावतस्यास्यित गिरयः सिरतश्च मकीतले R. 1,2,39. 44,46. 60, 28. तिष्ठेळोका विना भूमिं सस्यं वा सलिलं विना । न तु रामं विना देहे तिष्ठेयरसवा मम II R. Gorr. 2,9,44. Sinxujak. 41. न के ऽपि स्वातार: सुरगिरिपयोधिप्रभृतयः Spr. (II) 525. ऋरवितं तिष्ठति 567. 3902. 1983. क्यं न् शाखास्तिष्ठरं ष्टिक्नमुले वनस्पती 2312. यशांपि लोके 2765. 3236. क्यं कर्म विना देवं स्यास्पति 5149. 5482. 7555. Kathås. 28,117 (wohl महश्चित्र zu lesen). 34,103. 40,41. Pankat. 31,18. 216,12. Comm. zu Gaim. 1, 18. zu Kap. 1,58. zu TS. PRAT. 21,7. केवलमेका गङ्गटत्तस्तिष्ठति so v. a. ist am Leben Pankar.213,7.8. — 8) bleiben, verweilen: तिष्ठा स के मा प्री आ: RV. 3,53,3. इङ् 10,19,3. AV. 8,1,9. 10,1,26. Gobh. 3,2,26. गुरुायमे M. 6,1. काममा मर्गाति छेड़के कन्यत्मत्यिप १,89. 12,102. गच्छ वा तिष्ठ वा мвн. 1,5961.6027. 中国 平初: 4,491. R. 2,40,32.64,35.87,28. 3,74,27.75,2. MEGH. 3.19. ÇÂK. 70,21. 71,10. 136. Spr.(II) 2083. 2436. 4781. KATHÂS. 13, 46. 82. 16,35. 18,167. 190. 205. 221. 231. 288. 39,233. MARK. P. 77,16. 125, 47. Råga-Tar. 6,201. 326. Bulg. P. 4,27,22. 7, 3,7. Z. d. d. m. G. 14,572,13. Paneat. 69, 13. 134, 3. Hit. ed. Johns. 2094. Vet. in LA. (III) 17, 14. 18, 9. तपामासने स्थिता २,5. उच्छेषणं त तित्तिष्ठेयावत u. s. w. M. 3,265. न स तिष्ठिचित्रं राज्ये पृष्करे सिललं यथा R. 3,46,16. यथास्तं गत ब्राहित्ये न तिष्ठत्तीक् र्षमयः ६,७०,४७. श्रपक्के तु घरे नीरं चालन्यां मुहमपिष्टकम् । स्त्रीणां च ऋदये वार्ता न तिष्ठति कदापि कि || Spr. (II) 394. med. MBH. 2,732. R. 4, 12, 36. pass. impers. Spr. (II) 3328. Hir. 21,4. pass. = simpl.: तथापि मून्ता साम्य रहिंद् न स्थीपते चले । पुत्रानुरागविषमे वि-युत्सीदामनी प्रया ॥ Buig. P. 10,49,27. verweilen so v. a. warten: न च शकां मया तात स्थातं तपामपि R. 2,34,48. Vikr. 88,47. Mâlay. 12,3. Råga-Tar. 5,464. दिनानि कतिचिद्धेद्रे स्थीपताम् Brauma-P. in LA. (III) 54,20. किम्यापि स्थीपते so v. a. zögern, sich bedenken Car. 23,11, v. l. स्थिला मानं द्खात् so v. a. nach einem Monat Vanan. Bru. S. 42, 11. नणं स्थिता Çus. in LA. (III) 36,6. स्थिता क्रियति मुखस्य तवैव ल-हमीम् so v. a. nach einiger Zeit Spr. (II) 3910. — 9) bei Etwas bleiben, einer Handlung dauernd obliegen, in einem Zustande oder Verhältniss verharren; die Ergänzung a) ein im nom. stehendes adj., insbes. partic.: ते ऽपक्रम्य प्रतिवावदता ऽतिष्ठन् widersprachen fortwährend Air. Ba. 2,3. ये पाशास्तिष्ठांत विषिताः AV. 4,16,6. गृहाः पूर्णा वामेन तिष्ठतः 7,60,2. 8,10,8. 10,10,16. 2,34,2. Âçv. Grij. 1,18,7. 4,7,16. Kâtj. Çr. 25,5,28. पेपीयमाना मादमानस्तिष्ठति धंमेशाव. Up. 6,11,1. प्रत्यङनाहित-ष्ठति (so liest Çүвтасу. Up. 3,2) VS. 32,4. प्रनष्टमधिगतं द्रव्यं तिष्ठेख्-कैर्घिष्ठितम् м. ८,३४. ब्भृतितह्यक् स्थिता धान्यमब्राक्सणाद्वरेत् अर्दकः 3,43. श्रुतिविप्रतिपन्ना ते पर् स्थास्पति निश्चला (बुद्धिः) Вилс. 2,53. न-कि कश्चित्त्तपामिप जात् तिष्ठत्यकर्मकृत् 3,5. विस्मितः МВн. 3,2620. शो-कपरिम्नतः ३००१. उदीचीं दीपयन्दिशम् ११८५२. मन्टकुप्तनभुञ्जानः R. 1,64, 20. सप्रमाणिव 37,21 (med.). वृत्तम्पाश्रितः 50,35. 51,20. 86,20. R. Gorr. 1,9,22. Sankujak. 67. Ragu. 1,73. किर्व्यमाण: सशर्र शरासनम् 3,52. प-श्यत्तो Çik. 11,3. साधसादवचना 12,21. 30. Spr. (II) 1524. 1002. 4528. वधेमाणाम्णं तिष्ठेत् 5992. Kathâs. 2,82. 62. 4,54. 5,91. 7,53 (wir lesen त्रपसा, welches wir zum Folgenden ziehen). 15,8. 18,95. 128. 153. 167. 24,130. 29,23. 39,67. 244. 40, 43. Råća-Tar. 4,77. 6,156. 194. Mårk. P. 17, 21. Brahma-P. in LA. (III) 54,16. Buag. P. 3,4,31. Paneat. 34,25. 127,23.

ed. orn. 5,4. Hir. 19,1. सर्पस्तु व्यापादित हित्र छति liegt todt da Ilir. ed. Johns. 2726. Pakkar. 10,7. med.: โก ชน์ สโยกิจส: MBn. 1,5278. 3-पवासपरे। दीर्घकालमतिष्ठत ४।।७. ग्रमात्यः स चिरं तिष्ठते प्रियः ।२।. pass. impers.: न्पर्माभ: स्वस्यै: कद्यं स्थीयते Pass. 20,12. — b) ein absol.: सर्वमावृत्य Çvвтасу. Up. 3, 16. МВн. 1, 1105. 3, 11844. विस्मित्य द्वप-संपदा 2132. हदत्या ता परिषद्य मृद्धर्तिमिव तस्यतुः 2705. 4,596. 3, 11056 (S. 571). परिवार्य धनेश्वरम् 11775. 5,7298. धर्ममाश्चित्य R. 2,21, 41. 28, 20. 93, 14. R. Gore. 2, 12, 2. Çik. 40, 21. मार्न विधाप Kathis. 12, 158. 13,152. Raga-Tar. 6,64. Buag. P. 3,17,17. Hit. 23,8. med. MBs. 13,2291. pass. impers. Paab. 49,14. — c) ein instr.: मैरिन Pankat. 93, 10. म्राक्रार्परित्यागेन Ніт. еd. Јония. 2407. स्वग्रक्तिर्विशेषेण Ніт. Scal. 38,21. नाह्यपा Spr. (II) 4446. — d) ein adv.: ਸ਼ੁਰੂਧਬਾ sich anders verhalten R. 4,43,65. तुन्तीम् Spr. (II) 4480. सलड्डाम verlegen dastehen Çir. 38,4. सविस्मयम् Hir. 14,22. निर्विशेषं यदा स्वामी समं भृत्येषु ति-ञ्चति Spr. (II) 3769, v. l. मुख्यू sich wohl —, glücklich fühlen Spr. 2390, v. l. Katuls. 19,49. 32, 145. 44,97. — 10) dasein, vorhanden sein, sich vorfinden M. 8,158. नेक तिस्रति नैकेपी R. 2,57,29. पान्यस्माभिर्माकी-तानि तानि तिष्ठति 4,5,10. दियता यत्र तिष्ठति तद्गरूम् Spr. (II) 6247. विभवे भोजने दाने तिष्ठत्ति प्रियवादिनः ६१६८ भाजने यो य म्राक्। रिश्चल्यते स स तिष्ठति Катийз. 3,50. 43,58. तस्य क्रदस्य समताच्क्रशकाबिलान्य-संख्यानि – तिष्ठति Рамбат. 159,25. किंचिरेतन्मतसत्त्वं तिष्ठति 244,1. दत्तघातस्य पूत्री पद्मावती नाम विद्यते। तयोक्तं तिष्ठति Vet.in LA.(III) 7,8. म्रयं च बोर संदेक्स्तिष्ठतीक् ममाप्रतः R. 5,53,7. स मा तिष्ठत Schol. zu Kiviio. 2,159. स्वेष् तिष्ठत्स् M. 5,104. 9,130. MBu. 1,5989. 3,2164. 13,2532. R. 2,106,22. R. GORR. 2,34,7. 3,40,3. 7,63,2. Spr. (II) 1335. कार्ये ड्यायांस तिष्ठति 5832. mit einem loc. AV. 6,127,2. यावान्यतिगणः किश्चदंष्ट्रिणाश्च मकाबलाः । तिष्ठलीक् मकारूएये R. 3,35,49. Ver. in LA. (III) 14,19. तदेत्तहन्स्तिष्ठत्यचापि कुले अस्माकम् R. Goar. 1,68,13. ना गुरे 69,8. 2,31,26. परार्जवं लिप तिष्ठेतिमे वृष्टिमिवीरकम् 124,16. उत्त-रश चतुर्वर्गी नामकात्मम् तिष्ठति Spr. (II) 1092. त्रपाणामपि चैतेषां ग्-पानां त्रिष् तिष्ठताम् M. 12,34. — 11) sich befinden, sein: तव पार्श्वत: R. 1,64,6. तव समीपत: R. Gors. 1,66,6 (med.). यतपरार्थघरनायत्रिर्विना स्थीयते Spr. (II) 6410. तत्र KATHÂS. 2,34. प्रूले Makket. 176,2. प्रत्रज्यास् M. 5,89. गर्भवासे Spr. (II) 1851. मनुबेन्द्राणां मूर्चि MBs. 3,2073. Spr. (II) 1845, v. l. धर्म्ये वर्त्मान M. 9,1. भर्तपुत्रगते पि R. 2,52,53. मर्याहास् Spr. (II) 1839. ध्रि Rage. 1,91. मध् जिह्नाग्रे, कृदये कालाकृतम् Spr. (II) 2852. म्रापरि M. 3,14. व्हर्येष, व्हर्ये R. 2,45,25 (med.). Spr. (II) 6076. मानसे 5569 (स्थितवतो). संशये R. 3,41,3. शोके मक्ति 75,18. तदःखे Mink. P. 63,59. बले Spr. (II) 4810. राज्ये so v. a. regieren MBH. 1,3168. साध्वत्ते so v. a. obliegen R. 4,31,2. स्वधर्मे Spr. (II) 4065. सत्ये R. Góra. 2,11,2. पापेषु कर्मस् Spr. (II) 4233. स्वकर्मणि KATHAS. 19,20. कार्येष बन्धनाम् Bहरूतः. 19,16. ग्रस्य प्रिये MBह. 3,303. विप्रिये R. 2,21,10. त-पिस 64,23. तपस्यनशने KATHAS. 27,123. तेषां शासने so v. a. gehorchen, folgen M. 7, 37. R. 1,52,8 (53,8 GORR.). ÇÂE. 88,16. VIER. 155. Spr. (II) 7148. न्पतेनिदेशे малач. 89. वचने तव R. 2,24,15. ईम्बरस्य वशे мвн. 3,1138. Spr. (II) 4454. — 12) sich bei Jmd befinden, bei Jmd angetroffen werden, zu Imdes Verfügung stehen, Imd gehören, esse alicui; mit gen. und loc. der Person: माया में तिष्ठते तीत्रा पानगी नाम Harry. 9387.